अति-तत्काल

सं. 11011/2/2022-हिंदी

भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

(राजभाषा प्रभाग)

उद्योग भवन, नई दिल्ली।

दिनांक: जून, 2022

सेवा में,

इस्पात मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के सभी सदस्यगण।

विषय: इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 13.05.2022 को गंगटोक में संपन्न हुई बैठक का कार्यवृत्त।

माननीय महोदय/महोदया,

माननीय इस्पात मंत्री, श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह जी की अध्यक्षता में दिनांक **13.05.2022** को गंगटोक (सिक्किम) में संपन्न हुई इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक का कार्यवृत्त आवश्यक कार्रवाई के लिए संलग्न है।

2. कार्यवृत्त की किसी मद के संबंध में यदि कोई टिप्पणी/ सुझाव हो तो कृपया अवगत कराएं।

भवदीय,

संलग्न: यथोक्त।

(साकेश प्रसाद सिंह)

मुख्य लेखा नियंत्रक

सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित:-

i. माननीय इस्पात मंत्री के निजी सचिव

ii. माननीय इस्पात राज्य मंत्री के निजी सचिव

iii. सचिव (इस्पात) के वरिष्ठ प्रधान निजी सचिव

iv. विशेष सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रधान निजी सचिव

v. अपर सचिव (आर सी) के निजी सचिव

vi. अपर सचिव (आर सी जी) के निजी सचिव

vii. मुख्य लेखा नियंत्रक एवं प्रभारी राजभाषा

viii. इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सभी उपक्रमों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी।

ix. सचिव (रा.भा.) के निजी सचिव

x. संयुक्त सचिव (रा.भा.) के निजी सचिव

(आस्था जैन)
उप-निदेशक (रा.भा.)

इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 13.05.2022 को गंगटोक में संपन्न हुई बैठक का कार्यवृत्त

माननीय इस्पात मंत्री श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में इस्पात मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक दिनांक 13.05.2022 को गंगटोक में संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची 'अनुबंध' के रूप में संलग्न है।

2. माननीय समिति अध्यक्ष एवं इस्पात मंत्री महोदय, माननीय समिति उपाध्यक्ष और ग्रामीण विकास एवं इस्पात राज्य मंत्री महोदय, उपस्थित समिति सदस्यों तथा उच्चाधिकारियों द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन के बाद सभी सदस्यों को पुस्तक तथा पुष्प-कलिका भेंटकर बैठक विधिवत प्रारंभ हुई।

3. सदस्य सचिव **श्री साकेश प्रसाद सिंह** ने रमणीय स्थल गंगटोक में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इस पुनर्गठित समिति से पहले की बैठक जनवरी, 2019 में हुई थी। उसके बाद पूरे 3 वर्ष के अंतराल पर वित्तीय वर्ष 2021-22 की अवधि के लिए दिनांक 3 मार्च, 2022 को आयोजित की गई थी, तभी माननीय मंत्री जी ने वर्ष में न्यूनतम दो बैठकों की सीमा से अधिक बार बैठकें कराने के अपने वचन को पूरा करते हुए 70 दिनों के अंदर ही इस बैठक का आयोजन किया। पुनर्गठित समिति की दूसरी तथा वित्त वर्ष 2022-23 की इस प्रथम बैठक में उन्होंने इस्पात मंत्री श्री रामचंद्र प्रसाद सिंह जी; श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय इस्पात राज्य मंत्री जी तथा श्री संजय सिंह, सचिव; श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल, अपर सचिव; श्री अभिजीत नरेन्द्र, संयुक्त सचिव का भी कार्यक्रम में हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने लोक सभा और राज्य सभा के नामित संसद सदस्यों से इस बैठक के लिए प्राप्त शुभकामनाओं के लिए भी आभार व्यक्त किया तथा उपस्थित हिंदी सलाहकार समिति के सभी सदस्यगण का भी अभिनंदन किया और भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा दिए जाने वाले मार्गदर्शन और सुझावों के अनुरूप मंत्रालय नियमानुसार कार्रवाई करेगा। उन्होंने आशा की कि सभी इस बैठक से एक नया संदेश, नई ऊर्जा लेकर जाएंगे और हिंदी को वो सम्मान दिलाने के लिए कृत संकल्प होंगे जो भाषा को लेकर माननीय प्रधानमंत्री और माननीय गृह मंत्री की सोच के अनुरूप हो।

4. अपर सचिव महोदया **सुश्री रुचिका चौधरी गोविल** ने बताया कि इस वित्त वर्ष में यह हिंदी सलाहकार समिति की पहली बैठक है। पिछली बैठक में यहाँ उपस्थित माननीय सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों को मंत्रालय ने व्यवहार में लाने का पूरा प्रयास किया है और आशा व्यक्त की कि इस बैठक में भी हमें राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहन देने के लिए बहुमूल्य सुझाव प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा नीति का यथासंभव पालन करता है। इसी क्रम में 2022-23 हेतु हिंदी सलाहकार समिति की इस प्रथम बैठक की आयोजना की गई है। सरकारी काम-काज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय व नियंत्रणाधीन उपक्रमों द्वारा कार्यशालाओं, तकनीकी स्तर पर हिंदी के व्यावहारिक प्रयोग तथा विभिन्न पुरस्कार योजनाओं के माध्यम से भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में हिंदी सिर्फ अनुवाद की भाषा न रहे,

मूलतः कार्य हिंदी में करने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों पर विचार करना इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है।

5. इस्पात सचिव महोदय **श्री संजय सिंह** ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए बताया कि भारत राष्ट्र की भाषा हिंदी है, क्योंकि लगभग 60% लोग ऐसे हैं, जिनकी प्रथम या द्वितीय भाषा हिंदी है। उन्होंने वर्तमान समय को हिंदी के लिए बेहतरीन समय बताया और कहा कि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री भी हर बैठक में सिर्फ हिंदी में ही बात करके आदर्श प्रस्तुत करते हैं। समिति के सदस्यगण को बैठक में उपस्थित होने पर धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि वे सदस्यों के सुझावों को सुनने के लिए काफी उत्सुक हैं।

6. इसके बाद **श्रीमती आस्था जैन,** उप-निदेशक (राजभाषा) द्वारा राजभाषा नीति के राजभाषा अधिनियम, 1963 के तहत आने वाले दस्तावेजों एवं प्रावधानों पर एक विस्तृत पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई। सलाहकार समिति की दोनों बैठकों में अधिक अंतराल न होने के कारण आंकड़ों के दोहराव से बचने व नवीनता तथा ज्ञान-वर्धन की दृष्टि से इस्पात जैसे तकनीकी क्षेत्र की कार्यविधियों में भी उपक्रमों द्वारा किए जा रहे कार्यों को जानने-समझने हेतु विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा हिन्दी लघु फिल्में व प्रस्तुतियाँ दी गईं जिनसे इस्पात के तकनीकी पक्ष में भी हिन्दी के सुचारू समन्वय का प्रमाण मिलता है।

7. सदस्य महोदय **श्री गोपाल कृष्ण फरलिया** ने कहा कि कार्यालय में काम करने वाले 80-90% लोगों की मातृभाषा हिंदी है, वे क्यों नहीं हिंदी में लिख सकते है? गलतियाँ तो अंग्रेजी पत्रों में भी होती हैं, यदि हिन्दी में भी हों तो डरना नहीं चाहिए। उन्होंने निम्नलिखित सुझाव दिए:-

1 सरल हिन्दी शब्दों का प्रयोग करें।

2 प्रशिक्षण प्राप्त हिंदी आशुलिपिकों से हिंदी में काम लें।

3 हिंदी में काम करने वालों के लिए अगली बैठक से पहले पुरस्कार की घोषणा करें।

4 हिन्दी में काम करने अथवा नहीं करने संबंधी एक कॉलम वार्षिक कार्यनिष्पादन रिपोर्ट में डालने की व्यवस्था की जाए।

5 पत्रिकाओं का प्रकाशन निरंतर हो तथा सदस्यों को भी निरंतर भेजी जाएं।

6 पत्रिकाओं में हिंदी में तकनीकों लेखों को शामिल करने का सुझाव दिया।

7 आपने कार्यसूची अधिक पहले भेजने का अनुरोध किया ताकि उनका ठीक से अध्ययन किया जा सके।

8. सदस्य महोदय **श्री महेश वंशीधर अग्रवाल** जी ने सबसे पहले दोनों मंत्रीगण तथा उपस्थित सभी अधिकारियों का अभिनंदन किया। उन्होंने सुझाव दिए कि-

1 जो हिंदी के लिए बढ़चढ़ कर काम करे उनको पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

2 जो सच में देश भर में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए काम कर रहे हैं उनको पुरस्कृत किया जाना चाहिए। विभिन्न अवसरों पर हिन्दी की सेवा करने वाली संस्थाओं एवं हिन्दी साधकों को सम्मानित किया जाए।

3 अखबारों में अधिकतर विज्ञापन अंग्रेजी में होते हैं। हिंदी विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहित एवं उन्हें पुरस्कृत करने की आवश्यकता है।

4 हिंदी कार्य का प्रतिशत कम नहीं होना चाहिए। हर हाल में बढ़ना ही चाहिए।
5 मेकॉन और केआईओसीएल में हिंदी के रिक्त पदों को तत्काल भरा जाना चाहिए।
6 एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री सुमित देब जी और आरआईएनएल को भी सराहा तथा सभी को उनसे प्रेरणा लेने को कहा।

9. **डॉ रिंकु कुमारी** ने माननीय इस्पात मंत्री को पारदर्शी व्यक्तित्व व बुलंद इरादों का धनी बताया। बैठक में प्रस्तुत वीडियोज और एनएमडीसी तथा सेल एवं आरआईएनएल तथा अन्य सभी उपक्रमों की लघु फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुतियां स्पष्ट बताती हैं कि इस्पात मंत्रालय में हिंदी का प्रचार-प्रसार हुआ है, हिंदी की प्रगति हुई है।
1 हिंदी की प्रगति के लिए उसे थोड़ा सरल, रूचिकर और मनोरंजक ढंग से प्रचारित और प्रसारित करने की आवश्यकता है जिसमें लेख, कहानियाँ, नाटक इत्यादि भी शामिल हों।
2 हिंदी बोलने वाले लोग इस देश में 70-80 प्रतिशत हैं और समझने वाले उससे भी ज्यादा हैं। अगर इस देश में स्वराज होना चाहिए तो वह इस देश के करोड़ों भूखे, अनपढ़ अशिक्षित दलित जनता के लिए उसकी अपनी भाषा हिंदी में होना चाहिए।
3 अनुवाद में ऊर्जा व्यय से बचने के लिए मूल रूप से हिन्दी में काम करना चाहिए।
4 इस्पात मंत्रालय के सभी उपक्रम अपनी पत्रिकाओं की एक लिस्ट सभी माननीय सदस्यों को उपलब्ध करवाएं तथा अपनी-अपनी पत्रिकाओं में हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों का सुझाव एवं सहयोग लिया जाए।
5 पत्रिकाओं में माननीय इस्पात मंत्री का भी संदेश होना चाहिए।
6 तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल यथावत् करते रहें।
7 विभिन्न अवसरों पर सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा हिन्दी से संबंधित आयोजित कार्यक्रम में समिति के सदस्यों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए।

10. **डॉ. प्रणव शर्मा शास्त्री** जी ने हिंदी अनुरागी माननीय मंत्री युगल का हिंदी की सुवास से सुवासित, आत्मीयतापूर्ण, मित्रवत और उनके स्नेहिल आतिथ्य के लिए सबसे पहले अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने सुझाव दिए कि-
1 'हिंदी सेवा ही राष्ट्र सेवा है'। जो जहां है वहीं से हिंदी सेवा के माध्यम से राष्ट्र सेवा करें।
2 उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी का वक्तव्य दोहराया कि देश पर मरने वालों की नहीं, जीवित रहने वालों की जरूरत है।
3 हिंदी के पदों को भरने का कार्य माननीय मंत्री जी के ही सामने, उनके ही कार्यकाल में, उनकी ही दृष्टि में हो जाए तो मंत्रालय के साथ-साथ उपक्रमों का भी कल्याण होगा।
4 इस्पात मंत्रालय आजादी के अमृत महोत्सव को 75वें वर्ष के अवसर पर 75 संस्थाओं को सम्मानित करें। इसके लिए एक बड़ा कार्यक्रम दिल्ली में आयोजित हो और इस्पात मंत्रालय उसका अगुवा बने। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री पधारें तो इससे औरों में भी उत्साह आएगा। उन्होंने बताया कि उनके कई मित्र अन्य मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य हैं लेकिन वे सभी मित्रगण मायूस एवं उत्साहहीन हैं क्योंकि उनके मंत्रालयों में हिन्दी सलाहकार समिति की बहुत दिनों से बैठकें ही

नहीं हुई हैं। इस मायने में हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि माननीय मंत्री जी की अध्यक्षता में 2021-22 एवं 2022-23 में दो बैठकें हो गईं।

11. **देशपाल सिंह राठौर** जी ने माननीय इस्पात मंत्री, माननीय राज्य मंत्री, मंचासीन अधिकारियों सभागार में उपस्थित सभी सदस्यों के साथ ही इस्पात मंत्रालय के अधीन उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सभी राजभाषा अधिकारियों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने सुझाव दिए कि-

1 सभी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कार्यक्रम को पुन: अपनी पत्रावलियों में उतारें और अपने संयंत्रों में जाकर यहां की जा रही बातों को अमलीजामा पहनाएं। मतलब अब हिंदी में काम करना होगा।

2 अध्यक्ष जी के इतने ही कम दिनों के कार्यकाल में राजभाषा हिंदी के कार्यक्रमों के माध्यम से उसकी प्रगति स्पष्ट दिखाई दे रही है।

3 उन्होंने केआईओसीएल,एफएसएनएल तथा एमएसटीसी से मिली पत्रिकाओं को सराहा।

4 हिंदी वेबसाइट में हिंदी कार्य बढ़ाना है। इसके लिए उन्होंने सहयोग की पेशकश भी की।

5 गृह पत्रिका की तरह सर्वश्रेष्ठ वेबसाइट को भी पुरस्कृत किया जाने हेतु गृह मंत्रालय को पत्र लिखा जाए।

6 पत्रिकाओं में विद्वानों के लेख सम्मिलित किए जाएं। नए-नए विद्वानों को नए अवसर दें।

7 एनएमडीसी लिमिटेड की डिजिटल प्रस्तुति को आदर्श प्रस्तुति बताते हुए आपने सभी से निवेदन किया कि अन्य उपक्रम भी एनएमडीसी की प्रस्तुति की तरह अपने उत्पाद के साथ राजभाषा को जोड़ें।

12. इस्पात राज्य मंत्री **श्री फग्गन सिंह कुलस्ते** ने इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे आदरणीय मंत्री, श्री राम चंद्र प्रसाद सिंह, सचिव, श्री संजय सिंह जी, आदरणीय साकेश जी और इस सलाहकार समिति के सभी सम्माननीय सदस्यों, सभी उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों और उपस्थित सभी अधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस्पात मंत्रालय द्वारा हिन्दी में प्रस्तुत पीपीटी तथा उपक्रमों की लघु फिल्म प्रस्तुतियों पर बात करते हुए इन नए प्रयोगों व नए अनुभवों के आधार पर बताना चाहा कि हम थोड़ा आगे बढ़े हैं और दूसरी बैठक में इस मुकाम पर पहुंचे हैं। सदस्यों के सुझावों पर ध्यान दिया जाएगा। पुरस्कार देने की योजना भी मंत्रीजी के आदेश से निर्णीत होगी। प्रधानमंत्री जी हमेशा ही हिंदी का उपयोग ज्यादा करते है। सहज, सरल, स्वाभाविक और व्यावहारिक हिन्दी का प्रयोग प्रत्येक स्तर पर हो। संपूर्ण भारत में हिंदी का उपयोग करने वालों की संख्या के अनुपात में काम करने की आवश्यकता है। माननीय सदस्यों के अनुभव के आधार पर प्राप्त सुझावों को मंत्रालय एवं उपक्रमों द्वारा व्यवस्थित करने का प्रयास होगा।

तदुपरान्त, सभी उपक्रमों से चयनित एक-एक ऐसे अधिकारी/कार्मिक को माननीय इस्पात मंत्री द्वारा प्रमाणपत्र देकर "राजभाषा निष्ठा सम्मान" से सम्मानित किया गया जो राजभाषा के अतिरिक्त अन्य प्रभागों में होकर भी अपने कार्यालयीन कार्य में राजभाषा के प्रति निष्ठा का निर्वहन करते हैं।

13. अध्यक्ष महोदय, माननीय इस्पात मंत्री, श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह ने सभागार में उपस्थित माननीय इस्पात राज्य मंत्री, इस्पात मंत्रालय के सभी अधिकारियों, हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों, सभी उपक्रमों के प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों का और उन सभी के प्रति, जिन्होंने बैठक का सफल

आयोजन कराने में अपनी भूमिका निभाई, आभार जताया और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सिक्किम देश का पहला प्रदेश है, जहाँ 100% जैविक कृषि होती है, जो हम सबके लिए गौरव की बात है और जिसके लिए यहां के नागरिक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने सिक्किम के नागरिकों के तनावरहित जीवन की भी काफी सराहना की। उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य होते हुए भी सिक्किम की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 5 लाख से ऊपर है, जिसके लिए वहाँ के नागरिक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि बैठकें देश की अलग-अलग जगहों पर करने से लोगों को नई संस्कृति एवं परंपरा से रूबरू होने का मौका मिलता है। बैठक को बेहतर ढंग से आयोजित करने के लिए संयोजक उपक्रम प्रमुखों व अधिकारियों का धन्यवाद दिया। उन्होंने समिति के सदस्यों के सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि हमें हिंदी में काम करने का संकल्प लेना चाहिए, बिना इस बात की परवाह किए कि आपसे पहले या बाद की टिप्पणी किस भाषा में है। माननीय मंत्री जी का यह कहना है कि वे सभी कार्यालयीन कार्य हिंदी में ही निष्पादित करते हैं, सभी के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी के हिंदी प्रेम को अनुकरणीय बताया और कहा कि हमें उनसे सीखने की जरुरत है। हिंदी में बात करने से हममें हीन भावना नहीं आनी चाहिए। आपने सुझाव दिया कि हिंदी शब्दकोश में से सुगम शब्दों का ही प्रयोग करें। अगर कोई अंग्रेजी का शब्द, जिसका हिंदी अनुवाद न आ रहा हो, तो उसे अंग्रेजी में ही लिखें। बहुत सारे आशुलिपिकों को हिंदी में काम करने के लिए प्रशिक्षित तो किया जा रहा है पर उनके पास कोई काम नहीं है, इस पर ध्यान देने की जरुरत है। प्रशासनिक कार्यों को विशेष रूप से अनिवार्यतः हिंदी में करने को कहा और कहा कि इससे हिंदी पत्राचार के आंकड़े भी बढ़ जाएंगे। उन्होंने महेश बंशीधर अग्रवाल जी द्वारा रिक्त पदों को भरे जाने के सुझाव का समर्थन करते हुए कहा कि इसे जल्द-से-जल्द भरा जाना चाहिए। उन्होंने हिंदी में बेहतरीन काम करने वालों को पुरस्कृत करने की माँग का भी समर्थन किया और कहा कि इस पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाषा जोड़ने का काम करती है न कि तोड़ने का । इसलिए जब हम हिंदी के प्रचार-प्रसार की बात करें तो हमें अन्य भारतीय भाषाओं का भी ख्याल करना चाहिए। हम अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी लाएं पर अन्य स्थानीय भाषाओं को भी आगे बढ़ने दें। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि लोगों का झुकाव हिंदी की तरफ हो। हमें हिंदी को लोगों पर थोपना नहीं चाहिए। उन्होंने प्रणव शर्मा 'शास्त्री' द्वारा दिए गए सुझावों के क्रम में कहा कि हमें राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए अपनी क्षमता, ज्ञान और विवेक का पूरा प्रयोग करना चाहिए। आजादी के 75वें वर्ष में, हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और माननीय प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्ष के काल को अमृत काल कहा है। उन्होंने आजादी के 75वें वर्ष पर हरेक जिले में 75 अमृत सरोवर बनाने की प्रधानमंत्री जी की सोच की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें किसी के दबाव से नहीं बल्कि स्वयं ही हिंदी में काम करने की भावना होनी चाहिए। हमें अपनी राजभाषा हिंदी पर स्वाभिमान होना चाहिए। उन्होंने आरआईएनएल, एनएमडीसी और सेल की विमोचित पत्रिकाओं की सराहना करते हुए अन्य उपक्रमों को उनका अनुकरण करने की सलाह दी और कहा कि समिति के सभी सदस्यों के लेखों को भी इन पत्रिकाओं में जगह दें और अच्छे लेखों को पुरस्कृत भी करें।

अंत में संयुक्त सचिव, श्री अभिजीत नरेन्द्र द्वारा अध्यक्ष महोदय सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर सभा का समापन किया गया।

अनुबंध

इस्पात मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 13.05.2022 को गंगटोक में हुई बैठक में उपस्थित सदस्यों की सूची

क्र.सं.	सदस्यों का नाम	पदनाम
1.	श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह, माननीय इस्पात मंत्री	अध्यक्ष
2.	श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय ग्रामीण विकास एवं इस्पात राज्य मंत्री	उपाध्यक्ष
3.	श्री गोपाल कृष्ण फरलिया	सदस्य
4.	श्री देशपाल सिंह राठौर	सदस्य
5.	श्री महेश बंशीधर अग्रवाल	सदस्य
6.	डॉ. रिंकू कुमारी	सदस्य
7.	डॉ. प्रणव शर्मा 'शास्त्री'	सदस्य
इस्पात मंत्रालय के अधिकारी		
8.	श्री संजय सिंह	सचिव
9.	सुश्री रूचिका चौधरी गोविल	अपर सचिव
10.	श्री अभिजीत नरेन्द्र	संयुक्त सचिव
11.	श्री साकेश प्रसाद सिंह	मुख्य लेखा नियंत्रक एवं प्रभारी राजभाषा
इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन उपक्रमों के प्रमुख		
12.	श्री सुमित देब, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद	सदस्य
13.	श्री अतुल भट्ट, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आरआईएनएल, विशाखापट्टनम	सदस्य
14.	श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड एवं एफएसएनएल लिमिटेड	सदस्य
15.	श्री सलिल कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मेकॉन लिमिटेड, राँची	सदस्य
16.	श्री टी. सामिनाथन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, केआईओसीएल लिमिटेड, बेंगलुरू	सदस्य
इस्पात मंत्रालय एवं उपक्रमों के अन्य अधिकारी		
17.	श्रीमती आस्था जैन, उप-निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित
18.	श्री रजनीश कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा.)	उपस्थित
19.	श्रीमती संगीता टी., वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	उपस्थित
20.	श्री सौरभ आर्य, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	उपस्थित
21.	सुश्री आयुषी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	उपस्थित
22.	श्री अब्दुल शफीक, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	उपस्थित
23.	श्री अमित कुमार, आशुलिपिक	उपस्थित
24.	श्री नरेश कुमार मीणा, आशुलिपिक	उपस्थित
21.	श्री ललन कुमार, महाप्रबंधक, आरआईएनएल लिमिटेड	उपस्थित
22.	श्री रूद्रनाथ मिश्र, उप- महाप्रबंधक, एनएमडीसी लिमिटेड	उपस्थित
23.	श्री राजेश शर्मा, उप- महाप्रबंधक, सेल लिमिटेड	उपस्थित
24.	श्री संदीप सिन्हा, वरि. महाप्रबंधक (विपणन-ईपीसी) एवं राजभाषा अधिकारी, मेकॉन लिमिटेड	उपस्थित
25.	श्री छग्गन लाल नागवंशी, राजभाषा अधिकारी, एफएसएनएल लिमिटेड	उपस्थित
26.	श्रीमती पूजा वर्मा, राजभाषा अधिकारी, मॉयल लिमिटेड	उपस्थित
27.	श्री रजनीश कुमार, राजभाषा अधिकारी, केआईओसीएल लिमिटेड	उपस्थित
28.	श्री सुनील कुमार साव, राजभाषा अधिकारी, एमएसटीसी लिमिटेड	उपस्थित